Prof. Ragini Kumari
Prof & Head
P.G. Centre of Philosophy
Maharaja College, Ara

Verification Theory of Meaning
(Part-II)

Requirement of Complete falsibility in Principle—

Prof. Popper ने प्रमाणीकरण के इस प्रणाली को सत्यापन सिद्धान्त का दूसरा रूप बतलाया है। सत्यापन विधि के इस रूप के अनुसार एक वाक्य ग्रन्द्रियानुभविक रूप से तब अर्थपूर्ण होगा जबकि इसका निषेध विश्लेषणात्मक कथन न हो, और साथ ही सैद्धान्तिक रूप से भी इसका पूर्ण खण्डन सम्भव हो। इस विचार के अनुसार सभी विश्वव्यापी वाक्य भी अर्थपूर्ण हो जाते हैं। इसलिए नहीं कि इनका पूर्ण सत्यापन सम्भव है, वरन् इसलिए कि इनका पूर्ण खण्डन सम्भव है। उदाहरण के लिए हम यद्यपि कि "All Swans are white." को अर्थपूर्ण करने के लिए सभी हंसों का निरीक्षण नहीं कर सकते, फिर भी यदि एक हंस को हम काला बता दें तो उपर्युक्त वाक्य खण्डित

से सत्य हो। अतः इस प्रकार के वाक्य अर्थपूर्ण हो जाते हैं। इस प्रकार 'Popper' ने यह बतलाने की कोशिश की है कि यदि किसी वाक्य का खण्डन होना सैद्धान्तिक रूप से भी सम्भव हो, तो उस वाक्य को भी अर्थपूर्ण कहा जा सकता है।

<u>Comment</u> — सत्यापन विधि के इस रूप के विरोध में यह कहा जा सकता है कि वस्तुतः यह विधि अंशव्यापी (Particular) वाक्यों को अर्थपूर्ण साबित नहीं कर सकता। Popper के विचारानुसार "Some swans are white" तब अर्थपूर्ण होगा जबकि इसका खण्डन सम्भव हो, परन्तु वस्तु स्थिति में इनका खण्डन सम्भव नहीं है अर्थात् falsification सम्भव नहीं है क्योंकि "Some swans are white" को गलत साबित करने के लिए यह आवश्यक है कि "No swans are white" (E. Proposition) को सत्य साबित किया जाय। किन्तु Popper का मत है कि विश्वव्यापी प्रतिज्ञप्ति (Universal Proposition) का सत्यापन सम्भव नहीं है जिससे उसकी सत्यता साबित नहीं की जा सकती। अतः "Some swans are white" को गलत नहीं साबित किया जा सकता, परिणामस्वरूप Popper के अनुसार इस प्रकार के वाक्य अर्थहीन हो जाते हैं।

<u>Principles of weak Verifibility</u> —

Prof. A. J. Ayer के अनुसार —

A Statement - - - - is literally meaningful

if and only if it is either analytic or empirically verifiable in the weak sense of the term. (Language Truth and Logic Ayer Page. 9.)

Ayer के अनुसार किसी वाक्य का सत्यापन strong तथा weak दोनों अर्थों में सम्भव है। एक वाक्य का strong अर्थ में सत्यापन होना तब सम्भव है जबकि इसकी सत्यता की स्थापना अनुभव में conclusively होती है परन्तु एक वाक्य का weak अर्थ में तब सत्यापन सम्भव होता है जबकि इसकी स्थापना अनुभव के द्वारा सम्भव है।

— To be Continued —